श्री दुर्गा चालीसा

नमो नमो दुर्गे सुख करनी । नमो नमो अंबे दुख हरनी ॥ १ ॥
निरंकार है ज्योति तुम्हारी । तिहूँ लोक फैली उजियारी ॥ २ ॥

ससि ललाट मुख महा बिसाला । नेत्र लाल भृकुटी बिकराला ॥ ३ ॥
रूप मातु को अधिक सुहावे । दरस करत जन अति सुख पावे ॥ ४ ॥

तुम संसार शक्ति लय कीन्हा । पालन हेतु अन्न धन दीन्हा ॥ ५ ॥
अन्नपूर्णा हुई जग पाला । तुम ही आदि सुन्दरी बाला ॥ ६ ॥

प्रलयकाल सब नासन हारी । तुम गौरी शिव शङ्कर प्यारी ॥ ७ ॥
शिवजोगी तुम्हरे गुन गावें । ब्रहमा विष्णु तुम्हें नित ध्यावें ॥ ८ ॥

रूप सरस्वति को तुम धारा । दे सुबुद्धि ऋषि मुनिन्ह उबारा ॥ ९ ॥
धरा रूप नरसिंह को अंबा । परगट भई फाड कर खंबा ॥ १० ॥

रच्छा करि प्रहलाद बचाओ । हिरनाकुस को स्वर्ग पठायो ॥ ११ ॥
लक्ष्मी रूप धरो जग माहीं । श्री नारायण अंग समाहीं ॥ १२ ॥

छीर सिन्धु में करत बिलासा । दया सिन्धु दीजै मन आसा ॥ १३ ॥
हिंगलाज में तुम्हीं भवानी । महिमा अमित न जाय बखानी ॥ १४ ॥

मातंगी धूमावति माता । भुवनेस्वरि बगला सुख दाता ॥ १५ ॥
श्री भैरव तारा जग तारिनि । छिन्नभाल भव दु:ख निवारिनि ॥ १६ ॥

केहरि बाहन सोह भवानी । लांगुर बीर चलत अगवानी ॥ १७ ॥
कर में खप्पर खडग बिराजै । जाको देख काल डर भाजै ॥ १८ ॥

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

सोहै अस्त्र और तिरसूला । जाते उठत शत्रु हिय सूला ॥ १९ ॥
नगरकोट में तुम्ही बिराजत । तिहूँ लोक में डंका बाजत ॥ २० ॥

शुम्भ निशुम्भ दानव तुम मारे । रक्त बीज संखन संहारे ॥ २१ ॥
महिषासुर नृप अति अभिमानी । जेहि अघ भार मही अकुलानी ॥ २२ ॥

रूप कराल काली को धारा । सेन सहित तुम तिहि संहारा ॥ २३ ॥
परी गाढ संतन पर जब जब । भई सहाय मातु तुम तब तब ॥ २४ ॥

अमर पुरी औरों सब लोका । तव महिमा सब रहै असोका ॥ २५ ॥
ज्वाला में है ज्योति तुम्हारी । तुम्हें सदा पूजें नरनारी ॥ २६ ॥

प्रेम भक्ति से जो जस गावै । दुख दारिद्र निकट नहि आवै ॥ २७ ॥
ध्यावे तुम्हें जो नर मन लाई । जन्म मरन ताको छुटि जाई ॥ २८ ॥

जोगी सुर मुनि कहत पुकारी । जोग न हो बिन शक्ति तुम्हारी ॥ २९ ॥
शङ्कर आचारज तप कीन्हो । काम क्रोध जीति सब लीन्हो ॥ ३० ॥

निसिदिन ध्यान धरो शङ्कर को । काहु काल नहि सुमिरो तुमको ॥ ३१ ॥
शक्ति रूप को मरम न पायो । शक्ति गई तब मन पछितायो ॥ ३२ ॥

सरनागत ह्वै कीर्ति बखानी । जय जय जय जगदंब भवानी ॥ ३३ ॥
भई प्रसन्न आदि जगदंबा । दई शक्ति नहि कीन्ह बिलंबा ॥ ३४ ॥

मोको मातु कष्ट अति घेरो । तुम बिन कौन हरे दुख मेरो ॥ ३५ ॥
आसा तृस्ना निपट सतावै । रिपु मूरख मोहि अति डरपावै ॥ ३६ ॥

शत्रु नास कीजै महरानी । सुमिरौं एकचित तुमहि भवानी ॥ ३७ ॥
करौ कृपा हे मातु दयाला । ऋद्धि सिद्धि दे करहु निहाला ॥ ३८ ॥

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

जब लगि जियौं दयाफल पाऊँ । तुम्हरौ जस मैं सदा सुनाऊँ ॥ ३९ ॥
दुर्गा चालीसा जो कोई गावै । सब सुख भोग परम पद पावै ॥ ४० ॥

देवीदास सरन निज जानी । करहु कृपा जगदंब भवानी ॥ ४१ ॥

इति श्री दुर्गा चालीसा सम्पूर्ण

www.viswakalyanam.org

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133